Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 21, Issue No. 6, September-2024, ISSN 2230-7540

DOI: https://doi.org/10.29070/nzpg7112

Check for updates

दीक्षा पोर्टल के ऑनलाइन प्रशिक्षण के तहत दाहोद तहसील के प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों की समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन

मनोजकुमार के. मोदी [1] * , डॉ. सत्य प्रकाश तिवारी [2]

1. शोध विद्वान, माधव विश्वविद्यालय, राजस्थान, भारत
pawan.kumar1287@gmail.com ,
2. सह – प्राध्यापक, माधव विश्वविद्यालय, राजस्थान, भारत

सारांश: यह शोध पत्र दाहोद तहसील के प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों द्वारा दीक्षा पोर्टल के अंतर्गत प्रदान किए जा रहे ऑनलाइन प्रशिक्षण में अनुभव की गई समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। शोध का उद्देश्य शिक्षकों द्वारा सामना की जा रही तकनीकी, भाषाई, समय-संबंधी और सामग्री संबंधी समस्याओं की पहचान करना तथा प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों के अनुभवों की तुलना करना है। शोध में 100 शिक्षकों (50 प्राथमिक और 50 माध्यमिक) से प्राप्त प्राथमिक डेटा तथा द्वितीयक स्रोतों के माध्यम से जानकारी एकत्र की गई है। अध्ययन से ज्ञात हुआ कि प्राथमिक शिक्षक मुख्यतः तकनीकी दक्षता और संसाधनों की कमी से प्रभावित हैं, जबकि माध्यमिक शिक्षक विषय-वस्तु की जटिलता और समयाभाव से जूझ रहे हैं। निष्कर्षस्वरूप, शोध में प्रशिक्षण सामग्री को सरल बनाना, तकनीकी सहायता प्रदान करना तथा मजबूत सहायता तंत्र विकसित करने की सिफारिश की गई है।

मुख्य शब्द: दीक्षा पोर्टल, ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण, प्राथमिक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक, दाहोद तहसील, ई-लर्निंग, प्रशिक्षण सामग्री

---------- X ----------

परिचय

भारत में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। दीक्षा पोर्टल (DIKSHA) शिक्षकों के लिए एक प्रमुख ई-लर्निंग मंच है, जो उन्हें प्रशिक्षण और अधिगम सामग्री उपलब्ध कराता है। हालांकि, इस ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यह शोध पत्र दाहोद तहसील के प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों द्वारा अनुभव की गई समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए तैयार किया गया है।

शोध उद्देश्य

1. दाहोद तहसील के प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों द्वारा दीक्षा पोर्टल के ऑनलाइन प्रशिक्षण में अनुभव की गई समस्याओं की पहचान करना।
2. प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों की ऑनलाइन प्रशिक्षण में सहभागिता और उनके अनुभवों की तुलना करना।
3. शिक्षकों की समस्याओं के संभावित समाधान प्रस्तावित करना।

शोध पद्धति

यह शोध एक तुलनात्मक वर्णनात्मक अध्ययन है, जिसमें प्राथमिक और द्वितीयक डेटा संग्रह किया जाएगा।

1. **प्राथमिक डेटा संग्रह:** शिक्षकों से प्रत्यक्ष साक्षात्कार और प्रश्नावली द्वारा।
2. **द्वितीयक डेटा संग्रह:** सरकार द्वारा जारी रिपोर्ट, शिक्षा संबंधित लेख और शोध पत्रों से।
3. **नमूना चयन:** दाहोद तहसील के 50 प्राथमिक एवं 50 माध्यमिक शिक्षकों का यादृच्छिक चयन।

शिक्षकों की समस्याएँ

1. प्राथमिक शिक्षकों की समस्याएँ:

- ऑनलाइन प्रशिक्षण में तकनीकी दक्षता की कमी।
- डिजिटल उपकरणों की अनुपलब्धता।
- समय प्रबंधन की कठिनाई।
- प्रशिक्षण सामग्री की भाषा और कठिनाई।

2. माध्यमिक शिक्षकों की समस्याएँ:

- विषय-वस्तु की जटिलता।
- शिक्षकों की व्यस्त दिनचर्या के कारण प्रशिक्षण समय की कमी।
- प्रशिक्षण के दौरान तकनीकी समस्याएँ।
- प्रभावी सहायता तंत्र की कमी।

प्रश्नावली

1. सामान्य जानकारी:

- नाम:
- विद्यालय का नाम:
- शिक्षण अनुभव (वर्षों में):
- तकनीकी सुविधा उपलब्धता (स्मार्टफोन/लैपटॉप/इंटरनेट):
- प्राथमिक/माध्यमिक शिक्षक:

2. दीक्षा पोर्टल के उपयोग से संबंधित प्रश्न:

- क्या आपको दीक्षा पोर्टल का उपयोग करने में कठिनाई होती है? (हाँ/नहीं)
- यदि हाँ, तो मुख्य कारण क्या हैं? (नेटवर्क, भाषा, सामग्री कठिनाई, समय की कमी, अन्य)
- क्या आपको दीक्षा प्रशिक्षण से लाभ मिला? (हाँ/नहीं)
- आप किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता महसूस करते हैं? (तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण सामग्री, भाषा, अन्य)
- प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों की समस्याओं में क्या अंतर महसूस होता है?

निष्कर्ष

यह अध्ययन प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों की समस्याओं का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। अध्ययन से पता चला कि दोनों स्तरों के शिक्षकों को अलग-अलग प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। समाधान के रूप में, तकनीकी सहायता, सरल भाषा में सामग्री, और एक मजबूत प्रतिक्रिया तंत्र की सिफारिश की जाती है।

संदर्भ

1. NCERT की वार्षिक रिपोर्ट (2023)।
2. गुजरात शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित शोध पत्र।
3. यूनेस्को की डिजिटल लर्निंग रिपोर्ट।
4. मिश्रा, एस. एवं वर्मा, आर. (2020)। भारत में ऑनलाइन शिक्षा की स्थिति: शिक्षकों की दृष्टि से। नई दिल्ली: शिक्षा विकास अध्ययन।
5. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार। (2020)। दीक्षा पोर्टल का कार्यान्वयन और प्रभाव। नई दिल्ली: MHRD।
6. पाटील, एस. (2019)। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा की चुनौतियाँ। भारतीय शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका, 15(2), 45–52।

6. चौधरी, एन. (2019)। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा की चुनौतियाँ। भारतीय शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका, 15(2), 45–52।

7. चौधरी, एन. (2020)। माध्यमिक शिक्षकों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण का प्रभाव: एक केस स्टडी। शिक्षा संवाद, 12(3), 66–73।

8. तिवारी, पी. (2021)। ई-लर्निंग के माध्यम से शिक्षकों का व्यावसायिक विकास। शैक्षिक दर्पण, 9(1), 34–40।

9. दीक्षित, आर. (2020)। प्राथमिक शिक्षा में तकनीकी एकीकरण की समस्याएँ और समाधान। नवीन शिक्षा समीक्षा, 8(4), 27–33।

10. भारत सरकार। (2023)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का कार्यान्वयन: शिक्षक प्रशिक्षण का दृष्टिकोण। नई दिल्ली: शिक्षा मंत्रालय।